दिग्विजय व्याख्यान माला प्रतिवेदन (सत्र 2022-23)

राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा सत्र 2022-23 मे दिग्विजय व्याख्यान माला के अंतर्गत निम्न लिखित व्याख्यान करवाए गए ..

1. सरदार भगत सिंह जयंती- दिनांक 28 सितंबर 2022

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय राजनांदगांव की राजनीति विज्ञान विभाग में प्राचार्य डॉ. के एल टांडेकर के निर्देशन एवं विभागाध्यक्ष डॉ अंजना ठाकुर के मार्गदर्शन में सरदार भगत सिंह जी की जयंती के अवसर में सरदार भगत सिंह के राजनीतिक एवं सामाजिक विचार विषय में अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में प्रो. दीपक वर्मा, सहायक प्राध्यापक इतिहास, शासकीय रानी अवंती बाई महाविद्यालय घुमका रहे। कार्यकम में प्रो. संजय सप्तर्षि ने भगत सिंह जी का संक्षिप्त परिचय दिया। विभागाध्यक्ष डॉ अंजना ठाकुर ने उनके बारे बताए की भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के सबसे प्रभावशाली क्रांतिकारियों में से एक, भगत सिंह। उनका जन्म 28 सितंबर, 1907 को हुआ था और महज 23 वर्ष की आयु में देश के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर दिये थे। दिग्विजय महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. के एल टांडेकर ने विद्यार्थियों से सरदार भगत सिंह के विचारधारा को अपने हृदय में जगाए रखने का आव्हान किया उन्होंने कहा की सरदार भगत सिंह के विचारो पर चल कर अपने लक्ष्य की प्राप्ति की जा सकती है। भगत सिंह के द्वारा दिया गया नारा इंकलाब जिंदाबाद कहते ही एक भारतीय के रगो में देशभक्ति की भावना का संचार हो जाता है ।इस भावना का सम्मान करना है।

कार्यकम के मुख्य अतिथि प्रो. दीपक वर्मा के द्वारा सरदार भगत के राजनीति एवं सामाजिक विचार विषय में अपना व्याख्यान दिया। उन्होंने सरदार भगत सिंह का जीवन परिचय दिया। उनके एक सामान्य से नौजवान से सरदार भगत सिंह बनने का एक साहसिक सफर के बारे में बताए गया। जन्म से लेकर अंतिम क्षण तक वे अपने विचारो को बुलंद करने में लगे हुए थे भगत सिंह केवल क्रांतिकारी ही नही वे विचारक, लेखक, समाज सुधारक एवं चिंतक थे।

कार्यक्रम का संचालन प्रो हेमंत नंदागौरी द्वारा किया गया। कार्यक्रम के अंत मे धन्यवाद ज्ञापन प्रो.संजय सप्तर्षि के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ के एल टांडेकर,विभागाध्यक्ष डॉ. अंजना ठाकुर , प्रो.संजय सप्तर्षि, प्रो.हेमंत नंदागौरी सहित स्नातक एवं स्नातकोत्तर के विद्यार्थियो में मोना , गीतांजलि, फुलेश्वरी, जीतेश्वरी,ऋतु, ईशा, प्रीति साहू, उन्नति, पल्लवी, दमन लाल, शिवाराम, तरुण, गुणवंत सिंह, माधुरी, कविता आदि ने कार्यकम में भाग लेकर कार्यकम को सफल बनाया।

राजनीति विज्ञान विभाग में सरदार भगत सिंह की जयंती मनाई गई

राजनांदगांव. शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय राजनांदगांव की राजनीति विज्ञान विभाग में प्राचार्य डॉ. के एल टांडेकर के निर्देशन एवं विभागाध्यक्ष डॉ अंजना ठाकुर के मार्गदर्शन में सरदार भगत सिंह की जयंती के अवसर में सरदार भगत सिंह के राजनीतिक एवं सामाजिक विचार विषय में अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया स कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में प्रो. दीपक वर्मा, सहायक प्राध्यापक इतिहास, शासकीय रानी अवंती बाई महाविद्यालय घुमका रहेस कार्यक्रम में प्रो. संजय सप्तर्षि ने भगत सिंह जी का संक्षिप्त परिचय दियास विभागाध्यक्ष डॉ अंजना ठाकुर ने उनके बारे बताए की भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के सबसे प्रभावशाली क्रांतिकारियों में से एक, भगत सिंह. उनका जन्म 28 सितंबर, 1907 को हुआ था और महज 23 वर्ष की आयु में देश के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर दिये थे. दिग्विजय महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. के एल टांडेकर ने विद्यार्थियों से सरदार भगत सिंह के विचारधारा को अपने हृदय में जगाए रखने का आव्हान किया.

2. अतिथि व्याख्यान-डॉ. मल्लिका सुर

राजनीति विज्ञान विभाग में वैल्यू एडेड कोर्स के अंतर्गत विशेष व्याख्यान का आयोजन

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ के एल टांडेकर के निर्देशन में तथा विभागाध्यक्ष डॉ अंजना ठाकुर के मार्गदर्शन में राजनीति विज्ञान विभाग में वैल्यू एडेड कोर्स के अंतर्गत मानवाधिकार और भारतीय संविधान विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। विषय विशेषज्ञ के रूप में डॉ मल्लिका सुर, विभागाध्यक्ष, राजनीति विज्ञान विभाग, शासकीय महाविद्यालय,अभनपुर रही। उन्होंने व्याख्यान से पहले भारतीय संविधान की प्रस्तावना का पाठन करवाया और भारतीय संविधान एवम मानव अधिकार पर विचार व्यक्त करते हुए कहा कि मानव अधिकार की धारणा काफी पुराने समय से चली आ रही है परंतु वर्तमान समय में द्वितीय विश्व युद्ध के बाद संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना तथा सार्वभौम मानवाधिकार की घोषणा (10.12.1948) ने मनवा अधिकार को न केवल सर्वव्यापी बना दिया बल्कि इसके लिए बहुत से अंतर्राष्ट्रीय कानून बनाए गए जिससे लोगो के इन

अधिकारो को संरक्षित किया जाए। आगे उन्होंने बताया कि किस तरह भारतीय संविधान मानवाधिकारों को सुरक्षा प्रदान करता है क्योंकि हमारा संविधान केवल अपने देश के नागरिकों के लिए ही मौलिक अधिकार की बात नहीं करता बल्कि वह भारत के बाहर से आए हुए लोगो की बात करता है। इसलिए मानवाधिकार का संरक्षण भारतीय संविधान करता है। कार्यक्रम के दौरान प्राचार्य डॉ के एल टांडेकर ने उपस्थित छात्रों से भारतीय संविधान संबंधित प्रश्न पूछे एवम उन्हें उपहार भी दिए। कार्यक्रम का संचालन प्रो. संजय सप्तर्षि ने किया । धन्यवाद ज्ञापन डॉ राजकुमार बंजारे ने किया। उक्त कार्यक्रम में प्रो हेमंत नंदगौरी सहित स्नातक एवम स्नातकोत्तर स्तर के अनेक विद्यार्थी उपस्थित रहे।

भारतीय संविधान मानवाधिकारों को देती है सुरक्षा : डा अंजना

संविधान दिवस पर अपने विचार व्यक्त करते विशेषज्ञ। ● कालेज प्रबंधन

राजनांदगांव(वि.)। दिग्विजय कालेज के राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा वैल्यू एडेड कोर्स के अंतर्गत मानवाधिकार और भारतीय संविधान विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। विषय विशेषज्ञ के रूप में डा.मल्लिका सुर थी।

उन्होंने व्याख्यान से पहले भारतीय संविधान की प्रस्तावना का पाठन करवाया और भारतीय संविधान एवम मानव अधिकार पर विचार व्यक्त करते हुए कहा कि मानव अधिकार की धारणा काफी पुराने समय से चली आ रही है परंतु वर्तमान समय में द्वितीय विश्व युद्ध के बाद संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना तथा सार्वभौम मानवाधिकार की घोषणा 10 दिसंबर 1948) ने मानवाधिकार को न केवल सर्वव्यापी बना दिया। बल्कि इसके लिए बहुत से अंतर्राष्ट्रीय कानून बनाए गए जिससे लोगों के इन अधिकारों को संरक्षित किया जाए।

आगे उन्होंने बताया कि किस तरह भारतीय संविधान मानवाधिकारों को सुरक्षा प्रदान करता है क्योंकि हमारा संविधान केवल अपने देश के नागरिकों के लिए ही मौलिक अधिकार की बात नहीं करता बल्कि वह भारत के बाहर से आए हुए लोगों की बात करता है। इसलिए मानवाधिकार का संरक्षण भारतीय संविधान करता है। व्याख्यान को डा.अंजना ठाकुर ने भी संबोधित किया। प्राचार्य डा.केएल टांडेकर ने उपस्थित छात्रों से भारतीय संविधान संबंधित प्रश्न पूछे एवं उन्हें उपहार भी दिए। कार्यक्रम का संचालन प्रोफेसर संजय सप्तर्षि ने किया।

3. राजनीति विज्ञान विभाग में संविधान दिवस के अवसर अतिथि व्याख्यान आयोजन

शासकीय दिग्विजय स्वशासी महाविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग में प्राचार्य डॉ के एल टांडेकर के निर्देशन में एवं विभागाध्यक्ष डॉ. अंजना ठाकुर के मार्गदर्शन में राजनीति विज्ञान विभाग में सविधान दिवस पर संविधान के प्रस्तवाना का वाचन एवं उस पर चर्चा हुई।

कार्यक्रम में मुख्य वक्त्ता के तौर पर डॉ. के.के. द्विवेदी सहायक प्राध्यापक भूगोल शासकीय कमला देवी राठी स्नातकोत्तर महाविद्यालय राजनांदगांव के द्वारा दिया गया कार्यक्रम का संचालन संजय सप्तृषि के द्वारा दिया गया। कार्यकम में स्वागत भाषण विभागाध्यक्ष के द्वारा दिया गया।

कार्यक्रम में मुख्य वक्त्ता के तौर पर डॉ. के.के. द्विवेदी के द्वारा संविधान दिवस की प्रासंगिकता पर व्याख्यान दिया। विद्यार्थियों को सविधान की प्रस्तावना का वाचन करवाया।उन्होंने सविधान दिवस के महत्व को बताया

कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन डॉ. राजकुमार बंजारे के द्वारा किया गया कार्यक्रम में विभागाध्यक्ष डॉ. अंजना ठाकुर , डॉ. राजकुमार बंजारे प्रो.संजय सप्तर्षि, प्रो.हेमंत नंदागौरी सहित स्नातक एवं स्नातकोत्तर के विद्यार्थियो समीर भारती,ऋतु निषाद,योगराज सोनम वर्मा,ने कार्यकम में भाग लेकर कार्यकम को सफल बनाया।

4 .रोजगार एवं कैरियर मार्गदर्शन -डॉ. होमी महिकवार

दिग्विजय स्वशासी पी जी महाविद्यालय ,राजनांदगांव के मानव संसाधन विकास प्रकोष्ठ एवं राजनीति विज्ञान विभाग के संयुक्त तत्वावधान में महाविद्यालय के *प्राचार्य महोदय डॉ. के. एल. टाँडेकर* जी के कुशल मार्गदर्शन मे एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया था! जिसमें जेटकिंग रायपुर संस्थान के सेंटर हेड *श्री होमी महिकवार जी* अतिथि व्याख्यान हेतु आए थे, साथ ही उन्होंने महाविद्यालय संस्थान के साथ (एम.ओ.यू.) स्थापित करने की हार्दिक इच्छा जाहिर की है,यह व्याख्यान संपूर्ण महाविद्यालय के विद्यार्थी एवं प्राध्यापक गण हेतु आयोजित किया गया था, जिसमे मुख्य विषय *डिजिटल वेलबिंग, साइबर क्राइम,नेक्स्ट जेनरेशन कैरियर* के ऊपर था! महाविद्यालय के प्राचार्य महोदय ने भविष्य में विद्यार्थियों हेतु इस प्रकार के आयोजन हेतु एच आर विभाग को प्रोत्साहित किया इस आयोजन में मानव संसाधन विकास प्रकोष्ठ की संयोजिका डॉक्टर अंजना

ठाकुर एवं सदस्य डॉक्टर प्रियंका सिंह एवं प्रोफेसर शरद कुमार तिवारी एवं प्रोफेसर विकास कांडे जी उपस्थित थे!

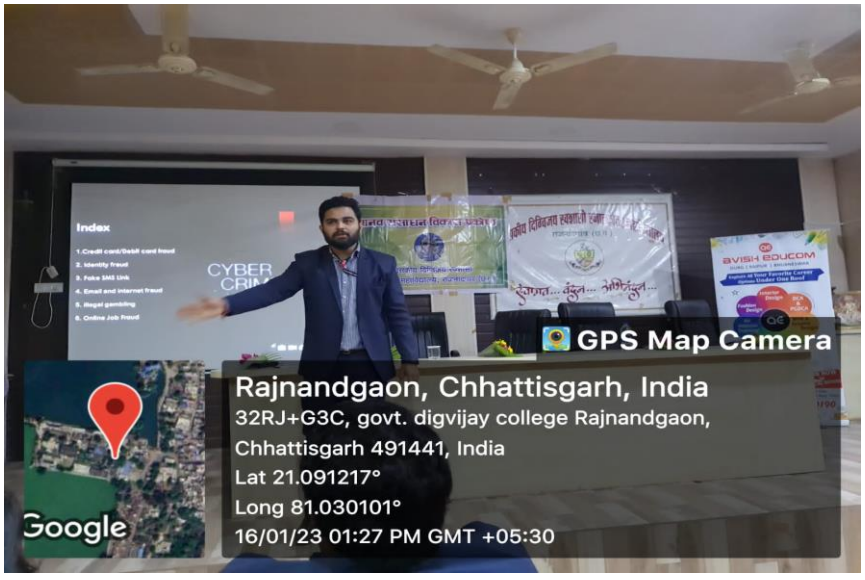

5 .व्यक्तित्व विकास पर व्याख्यान:

राजनीति विज्ञान एवं मानव विकास संसाधन समिति के संयुक्त तत्वधान में व्यक्तित्वविकास पर व्याख्यान का आयोजन किया गया।शासकीय दिग्विजय स्वशासी महाविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग में प्राचार्य डॉ के एल टांडेकर के निर्देशन में राजनीति विज्ञान एवं मानव विकास संसाधन समिति के संयुक्त तत्वधान में डॉ. अंजना ठाकुर के मार्गदर्शन में राजनीति विज्ञान विभाग में व्यक्तित्व विकास पर विशेष अतिथि व्याख्यान का

आयोजन किया गया । कार्यक्रम में मुख्य वक्त्ता के तौर पर डॉ. बसंत सोनबेर , सहायक प्राध्यापक मनोविज्ञान शासकीय कमला देवी महिला महाविद्यालय राजनांदगांव (छ.ग.) रहे । कार्यक्रम में मुख्य अतिथि का स्वागत पुष्प गुच्छ देकर किया गया । कार्यक्रम का संचालन प्रो संजय सप्तृषि के द्वारा किया गया। विभागाध्यक्ष डॉ. अंजना ठाकुर के द्वारा स्वागत भाषण देकर कार्यक्रम का प्रारंभ किया गया उन्होंने ने व्यक्तिव विकास पर संक्षेप में समझाया । महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ के एल टांडेकर समस्त विद्यार्थियों से अपने व्यक्तित्व के विकास में सही समय में सही कदम उठने की बात कही उन्होंने नवीन युवा पीढ़ी को अपने व्यक्तिव में महापुरुषों के समान कार्य करने की सलाह दी गई साथ ही अपने से वरिष्ठ लोगो की बातो पर अमल करने का विचार दिया।

कार्यक्रम में मुख्य वक्त्ता डॉ. बसंत सोनबेर ने पीपीटी के मध्यम से अपनी विचार बच्चो से साझा किया उन्होंने कहा की किसी भी कार्य करने के लिए एक अच्छे व्यक्तिव के अच्छा व्यवहार बहुत जरूरी है साथ ही अच्छी विचार का जीवन में लाना जरूरी है कुविचारों से दूरी बनया रखना अच्छा होता है । धन्यवाद ज्ञापन डॉ. राजकुमार बंजारे के द्वारा किया गया कार्यक्रम में डॉ के एल टांडेकर,डॉ. अंजना ठाकुर , डॉ. राजकुमार बंजारे प्रो.संजय सप्तृषि, प्रो गोकुल राम निषाद ,प्रो वंदना मिश्रा , प्रो.हेमंत नंदागौरी सहित स्नातक एवं स्नातकोत्तर के सौ विद्यार्थियो में गीतांजलि साहू, सुरेखा , अनिता पूजा आरती प्रभा आभा, रवि, किशोर आदि ने कार्यकम में भाग लेकर कार्यकम को सफल बनाया।

राजनीति विज्ञान एवं मानव विकास संसाधन समिति के संयुक्त तत्वधान में व्यक्तित्व विकास पर व्याख्यान

राजनांदगांव (दावा)। शासकीय दिग्विजय स्वशासी महाविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग में प्राचार्य डॉ.के.एल.टांडेकर के निर्देशन में राजनीति विज्ञान एवं मानव विकास संसाधन समिति के संयुक्त तत्वधान में डॉ. अंजना ठाकुर के मार्गदर्शन में राजनीति विज्ञान विभाग में व्यक्तित्व विकास पर विशेष अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के तौर पर डॉ. बसंत सोनबेर, सहायक प्राध्यापक मनोविज्ञान शासकीय कमलादेवी महिला महाविद्यालय रहे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि का स्वागत पुष्प गुच्छ देकर किया गया।

कार्यक्रम का संचालन प्रो संजय सप्तर्षि के द्वारा किया गया। विभागाध्यक्ष डॉ. अंजना ठाकुर के द्वारा स्वागत भाषण देकर कार्यक्रम का प्रारंभ किया गया। उन्होंने ने व्यक्तित्व विकास पर संक्षेप में समझाया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. के.एल. टांडेकर समस्त विद्यार्थियों से अपने व्यक्तित्व के विकास में सही समय में सही

कदम उठने की बात कही। उन्होंने नवीन युवा पीढ़ी को अपने व्यक्तित्व में महापुरुषों के समान कार्य करने की सलाह दी गई। साथ ही अपने से वरिष्ठ लोगो की बातो पर अमल करने का विचार दिया।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता डॉ. बसंत सोनबेर ने पीपीटी के मध्यम से अपनी विचार बच्चों से साझा किया उन्होंने कहा की किसी भी कार्य करने के लिए एक अच्छे व्यक्तित्व के अच्छा व्यवहार बहुत जरूरी है। साथ ही अच्छी विचार का जीवन में लाना जरूरी है। कुविचारों से दूरी बनया रखना अच्छा होता है द्व धन्यवाद ज्ञापन डॉ. राजकुमार बंजारे के द्वारा किया गया कार्यक्रम में डॉ के एल टांडेकर, डॉ. अंजना ठाकुर, डॉ. राजकुमार बंजारे प्रो.संजय सप्तृषि, प्रो गोकुलराम निषाद, प्रो वंदना मिश्रा, प्रो.हेमंत नंदागौरी सहित स्नातक एवं स्नातकोत्तर के सौ विद्यार्थियो में गीतांजलि साहू, सुरेखा, अनिता पूजा आरती प्रभा आभा, रवि, किशोर आदि ने कार्यक्रम में भाग लेकर कार्यकम को सफल बनाया।

6 .आनलाईन आतिथि व्याख्यान -डॉ. नागरत्ना गणवीर

राजनानंदगांव। शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ के एल टांडेकर के निर्देशन एवम विभागाध्यक्ष, राजनिति विज्ञान विभाग, डॉ अंजना ठाकुर के मार्गदर्शन में भारत मे संसदीय शासन व्यवस्था विषय पर आनलाईन अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। विषय विशेषज्ञ के रूप मे डॉ. नागरत्ना गणवीर , ने आनलाईन ,भिलाई,रिसली ,शासकीय नवीन महाविद्यालय ,राजनीति विज्ञान ,प्राचार्य एवं सहायक प्राध्यापक माध्यम से व्याख्यान देते हुए कहा की भारत की संसदीय शासन व्यवस्था भारत के लोकतंत्र का आधार स्तंभ वर्षों 76 है जो बिना किसी विवाद के पिछलेसे सुगमता पूर्वक बनी हुई है। उन्होंने ये भी बताया की किस तरह से पड़ोसी राज्यों मे लोकतंत्र के नाम पर संसद का दुरुपयोग किया जा रहा है। उक्त अवसर पर स्नातक एवं स्नातकोत्तर के छात्र एवं विभागीय प्राध्यापक ऑनलाइन माध्यम से जुड़े रहे।